केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 232 शुक्रवार 21 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

जिला एकीकरण समिति की बैठक कराने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला एकीकरण समिति के सदस्य सरदार जगबीर सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी को पत्र देकर शासनादेश के अनुरूप वर्ष के प्रत्येक तीन माह में बैठक कराये जाने की मांग किया।

सरदार जगबीर सिंह ने सीडीओ को बताया कि यह दुःखद है कि नियमानुसार जिला एकीकरण समिति की बैठक नहीं हो पा रही है। बताया कि सीडीओ ने नियमानुसार बैठक कराये जाने का आश्वासन दिया है।

ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने बस्ती शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिया है। आयुक्त सभागार में आयोजित कर–करेत्तर, चकबन्दी तथा शान्ति एवं कानून व्यवस्था की बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि मुख्य बाजार में लोगों को आने–जाने के लिए सुविधाजनक ढंग से रास्ता मिले, इसके लिए अतिक्रमण हटवाये तथा पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करायें। इस संबंध में उन्होने संबंधित अधिकारियों तथा व्यापारिक संगठनों से विचार–विमर्श करने का निर्देश दिया है।

पुलिस उप महानिरीक्षक दिनेश कुमार पी. ने कानून व्यवस्था पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होने कहा कि सरकारी भूमि पर कब्जा करने वाले व्यक्तियों पर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।

वार्षिकोत्सव के लिये निकली शोभा यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आर्य समाज गांधी नगर, बस्ती के 106वां वार्षिकोत्सव का शुभारम्भ शोभायात्रा से हुआ। यह यात्रा आर्य समाज गांधी नगर बस्ती से होते हुए कम्पनी बाग पहुंची, जिसका स्वागत वेद प्रकाश आर्य ने किया। इसके उपरान्त शोभायात्रा रौता चौराहा होते हुए रोडवेज तिराहा पहुंची जहां बृजकिशोर आर्य, विनोद कुमार, बशिष्ठ पाण्डेय, सर्वेश श्रीवास्तव, राजेन्द्र उपाध्याय, लवकुश सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने स्वागत किया।

कई वर्षों बाद आर्य समाज गांधी नगर बस्ती से निकली शोभायात्रा अत्यंत मनोहर थी। जिसमें उत्तराखण्ड से आये भजनोपदेशक पं0 देवशर्मा, सत्येन्द्र वर्मा ने बैलगाड़ी पर बने हुए मंच से अनेक भजन प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया।

यह वार्षिकोत्सव 20 मार्च से प्रारम्भ होकर 23 मार्च 2025 तक चलेगा। जिसमें देवयज्ञ, भजन एवं उपदेश, जीवन में शाकाहार का महत्व, वेद एवं ईश्वर पर उपदेश, संस्कार सम्मेलन, आर्य समाज का योगदान और 23 मार्च को महिला सशक्तीकरण सम्मेलन, राष्ट्र रक्षा सम्मेलन पर विद्वानजन अपना उपदेश देंगे।

आमंत्रित विद्वानों में पं0 विमल कुमार वैदिक प्रवक्ता हरदोई, रविन्द्र आर्य वैदिक विद्धान कानपुर, पं0 देवशर्मा भजनोपदेशक उत्तराखण्ड एवं स्थानीय पं0 राधेश्याम सिंह, उपदेशक तथा भजनोपदेशक सत्येन्द्र वर्मा अपने भजनों के माध्यम से संदेश देंगे।

शोभायात्रा में मुरलीधर भारती, ओमप्रकाश आर्य, राधेश्याम सिंह, सत्येन्द्र वर्मा, हरिहर मुनि प्रधान आर्य समाज गांधीनगर, वेद आर्य, गरूणध्वज, देवव्रत, बृजकिशोर आर्य, सुमन आर्य सहित सैकड़ों लोग शामिल थे।

भ्रष्टाचार के मामलों में लखनऊ के पूर्व डीएम अभिषेक प्रकाश निलम्बित

लखनऊ (आभा)। भ्रष्टाचार पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा एक्शन लिया है। राजधानी लखनऊ के जिलाधिकारी रहे अभिषेक प्रकाश को निलंबित कर दिया गया है। अभिषेक प्रकाश इन दिनों इनवेस्ट यूपी के सीईओ के पद पर थे। सोलर इंडस्ट्री लगाने के लिए एक उद्यमी ने इन्वेस्ट यूपी पोर्टल पर आवेदन किया था। आरोप है कि अभिषेक ने एक बिचौलिए के जरिए उद्यमी से पांच प्रतिशत कमीशन मांगा था। उद्यमी ने मामले की शिकायत सीएम योगी तक पहुंचाई थी। इसके बाद मामला एसटीएफ के हवाले कर दिया गया था। एसटीएफ ने शिकायत को सही पाया और उद्यमी से कमीशन मांगने वाले निकांत जैन को के खिलाफ गोमती नगर थाने में एफआईआर दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। इसी के बाद अभिषेक प्रकाश को भी निलंबित कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि एसटीएफ की फाइल दो तीन दिनों से शासन के पास घूम रही थी। अभिषेक प्रकाश को बचाने की भी कोशिश हो रही थी। हालांकि सीएम योगी ने अभिषेक को कोई रियायत नहीं दी। एसटीएफ की रिपोर्ट पर अभिषेक को निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया गया। अभिषेक को योगी सरकार में ही कभी बेहद ताकतवर अफसर भी माना जाता था। हालांकि एक के बाद एक कई आरोप अभिषेक प्रकाश पर लगते रहे।

इससे पहले अभिषेक पर डिफेंस कॉरिडोर में भूमि अधिग्रहण के मुआवजे में धांधली का आरोप लगा था। उसकी भी जांच हो रही है। लखनऊ के सरोजिनीनगर तहसील के भटगांव क्षेत्र में जमीन का अधिग्रहण इसी परियोजना का हिस्सा था। अधिग्रहण और मुआवजे में घोटाले का आरोप लगने पर हुई जांच में पता चला कि 20 करोड़ रुपये का मुआवजा अधिकारियों ने अवैध तरीके से हासिक किया था। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार यह मुआवजा उन किसानों और जमीन मालिकों को दिया जाना था, जिनकी भूमि अधिग्रहीत की गई थी, लेकिन इसकी जगह अफसरों ने गड़बड़ी करके खुद मुआवजे की रकम उठा ली।

इसी मुआवजे को लेकर लखनऊ के तत्कालीन डीएम अभिषेक प्रकाश की भूमिका पर सवाल उठे। कहा गया कि उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों की मिलीभगत को नजरअंदाज किया। जांच में सामने आया कि उनके करीबी अधिकारी, तहसीलदार और कानूनगो इस घोटाले में प्रमुख भूमिका निभा रहे थे। सरोजिनीनगर के कानूनगो पर आरोप है कि उसने इस पूरी साजिश को अंजाम दिया और मुआवजे की राशि हड़प ली।

राजस्व परिषद के चेयरमैन की अगुवाई में इस मामले की जांच की गई। इसमें पाया गया कि जमीन के अधिग्रहण में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं। पता चला कि मुआवजे की रकम उन जमीनों पर दी गई, जो पहले से ही पट्टे पर थीं और जिन्हें कानूनी रूप से मुआवजा नहीं मिलना चाहिए था। अभिषेक प्रकाश की जिम्मेदारी थी कि वह इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी करते, लेकिन उन्होंने अनदेखी की या फिर जानबूझकर इस भ्रष्टाचार में संलिप्त रहे।

छात्र हितों को लेकर संघर्ष तेज करेगी एन.एस.यू.आई.

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को एन.एस.यू. आई. ए.पी.एन. इकाई के गठन को लेकर रौता स्थित शिविर कार्यालय पर बैठक का आयोजन किया गया। संयोजन कर रही सोनम सैनी ने बैठक में बताया कि ए.पी.एन. पी.जी. कालेज में एन.एस.यू.आई. पूरी मजबूती से छात्र हितों की आवाज उठा रही है।

एन.एस.यू.आई. जिलाध्यक्ष उमाशंकर त्रिपाठी ने कहा कि नये सत्र में छात्र संघ चुनाव कराये जाने को लेकर चरणबद्ध तरीके से आन्दोलन किया जायेगा। छात्र संघ चुनाव प्रभारी नोमान अहमद ने कहा कि एन.एस.यू.आई. इकाई की कमेटी में सभी वर्गों की भागीदारी पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुधीर यादव ने कहा कि छात्रों के मुद्दे पर युवा कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ छात्रों के साथ खड़ी है। बैठक में शीलम कुमारी, नन्दनी, शहजादी आदि मौजूद रहे।

सिंचाई बंधु की बैठक में उठे जमीनी मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपाध्यक्ष गजेन्द्रमणि त्रिपाठी ने कहा कि सरकार की योजनाओं एवं नीतियों से किसानों की आय में निरन्तर वृद्धि हो रही है। हमारे जनपद में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किसानों को समय–समय पर किसान गोष्ठी, जनजागरूकता मेला एवं शिविर लगाकर लोगों को लाभ दिलाया जा रहा है।

उन्होने सरयू नहर खण्ड–04, अयोध्या, गोण्डा खण्ड द्वारा संचालित नहरों, कट एवं कुलावों, नलकूप, गन्ना, विद्युत, वन, उद्यान, लघु सिंचाई, भूमि संरक्षण सहित एजेण्डे में शामिल सभी विभागों की गहन समीक्षा किया। विधायक प्रतिनिधि कप्तानगंज गुलाब चन्द्र सोनकर ने कहा कि बाढ क्षेत्र सुबिखाबाबू व नगरीय क्षेत्र बस्ती डमरूआ में बाढ आपदा के दृष्टिगत बॉध बनाये जाने व वहॉ के लोगों को बाढ से बचाव हेतु उच्च स्तर पर पत्राचार किए जाने का निर्देश उपस्थित विभागीय अधिकारी को दिया।

विधायक प्रतिनिधि हर्रैया सरोज मिश्र ने परसरामपुर विकास खण्ड के किसानों के नलकूपों के संबंध में जनशिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करने का निर्देश दिया। विधायक प्रतिनिधि महादेवा फूलचन्द्र श्रीवास्तव तथा सदर प्रतिनिधि मु0 सलीम ने जनशिकायतों के संबंध में विभागवार अद्यतन सूची बनाये जाने तथा प्रतिनधिगणों को ससमय अवगत कराये जाने का निर्देश दिया और कहा कि शासकीय योजनाओं में लाभांश वितरण के समय जनप्रतिनधियों को अवश्य आमंत्रित किया जाय। उक्त के संबंध में बेहतर कार्य एवं दिशा निर्देशों का अनुपालन कराये जाने का उपस्थित अधिकारियों ने पूर्ण आश्वासन दिया।

बैठक में सांसद प्रतिनिधि जवाहर लाल वर्मा, सत्येन्द्र विश्वकर्मा, रामनरेश, भानुप्रताप त्रिपाठी, हरिश्चन्द्र उपाध्याय, सुरेन्द्र कुमार चौधरी, रामवृक्षराम, कमलेश कुमार, गरिमा द्विवेदी, शिवचरन, अम्बिकेश प्रताप सिंह, बलिकरन चौहान, हरेन्द्र प्रसाद तथा दुर्गेश कुमार उपस्थित रहें।

शिक्षक सम्मान समारोह, शिक्षा उन्नयन गोष्ठी में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा बीआरसी हरैया के प्रांगण में गुरुवार को शिक्षक सम्मान समारोह एवं शिक्षा उन्नयन गोष्ठी का आयोजन जिलाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें गत वर्षों में सेवानिवृत्त हुए 31 शिक्षकों को माल्यार्पण, स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र और छड़ी आदि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह, विशिष्ट अतिथि हर्रैया विधायक अजय सिंह, बीईओ विजय आनन्द और जिलामंत्री बालकृष्ण ओझा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। ब्लॉक अध्यक्ष रामसागर वर्मा, मंत्री राम प्यारे, तहसील अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, सत्यराम वर्मा, संजीव सिंह, गिरिजेश बहादुर सिंह, विवेक कान्त पाण्डेय, वैभव मिश्र की अगुवाई में अतिथियों का माल्यार्पण, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर

– ज्ञान, विज्ञान से समृद्ध हो प्राथमिक शिक्षा – देवेन्द्र सिंह
–शिक्षक देश, समाज, भविष्य के निर्माता – अजय सिंह

स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक समाज, राष्ट्र की चेतना का पुंज है। प्राथमिक शिक्षा ज्ञान, विज्ञान से समृद्ध होनी चाहिए। कहा कि पूरे देश में वन नेशन वन एजुकेशन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को पुरानी पेंशन मिलनी चाहिए। विधायक ने कहा कि शिक्षक देश, समाज और भविष्य का निर्माता है। शिक्षा के उन्नयन की जिम्मेदारी हम सबकी है जिसमें शिक्षकों की जिम्मेदारी सबसे ज्यादा है। परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक समाज के अंतिम पायदान के बच्चों को शिक्षित करके समाज के उन्नयन का काम कर रहे हैं। सेवानिवृत शिक्षक शिव शंकर सिंह, कुलदीप तिवारी, चंद्रभाल शुक्ल, राकेश कुमार लाल, यशोदा देवी, इंद्रा सिंह, रामआज्ञा, रामभवन, राम नयन सहित कुल 31 सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कंपोजिट विद्यालय निपनिया के बच्चों द्वारा खो–खो खेल में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यालय के शिक्षक अखिलेश सिंह और प्रेम कुमार को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन योगेश कुमार सिंह ने किया।

इस अवसर पर शिव पूजन आर्य, दुर्गेश यादव, सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, वीरेन्द्र शुक्ल, प्रवीन श्रीवास्तव, सुरेश गौड़, सनद पटेल, डॉ प्रमोद सिंह, देवेन्द्र सिंह, मुरलीधर, प्रताप नारायण, कुलदीप सिंह, सत्यप्रकाश, नंदलाल, राजेश सिंह, ओम प्रकाश, अरुण शुक्ल, दुखरन शुक्ल, यशोदानंदन ओझा, सर्वदेव सिंह, उदय प्रताप सिंह, संदीप सिंह, डेविड सिंह, चिन्मय राय, अमरचंद, अविनाश सिंह, सुनील शुक्ल, देवेंद्र शुक्ल, गोपाल दूबे, शशांक दूबे, मनीष पाण्डेय, विपिन शुक्ल, लवकुश त्रिपाठी, निशांत मिश्र, पीयूष मिश्र, विद्यासागर वर्मा, राजीव शरण, राम नरेन्द्र, अशोक वर्मा, हरी सिंह, राकेश सिंह, गिरिजेश सिंह, शैलेश सिंह, आदित्य सिंह, अजीत वर्मा, सर्वेश वर्मा, अजीत, राजकुमार सिंह, किरन शुक्ला, नीलम सिंह, मीरा चौधरी, भारती शुक्ला, निरुपमा तिवारी, श्रेया पाण्डेय, मंजूरानी, एकता सिंह, मधु सिंह, रूपम श्रीवास्तव, सोनिया, सरोज देवी, हरी जी मिश्र, चंद्रमणि वर्मा, राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील कुमार, ऋषि सिंह, दिवाकर सिंह, राजेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

विकास कार्यों के क्रियान्वयन में लापरवाही क्षम्य नहीं– मण्डलायुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शासन के प्राथमिकताओं के विकास कार्यो में किसी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही क्षम्य नही होगी। मण्डलीय अधिकारी विभाग में संचालित लाभपरक योजनाओं का प्रत्येक दशा में पात्र व्यक्ति को चिन्हित कर लाभ अवश्य पहुँचायें। उक्त निर्देश मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने मण्डलीय विकास कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये है। उन्होने यह भी निर्देश दिया है कि जो परियोजनाए पूर्ण हो चुकी है, उन्हें तत्काल सीएमआईएस पोर्टल पर अपलोड किया जाय। फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा करते हुए उन्होने संयुक्त निदेशक कृषि अविनाश चन्द्र तिवारी को निर्देश दिया कि शासनमंशानुरूप शतप्रतिशत कार्य को पूर्ण कर लिया जाय।

मण्डलायुक्त ने मुख्यमंत्री शादी विवाह योजना, कन्या विवाह सहायता योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि कोई भी पात्र आवेदन किसी भी स्तर पर लम्बित ना रहें। उन्होने विभागवार योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन विभागों की श्रेणी 'ए' है, ऐसे विभाग 'ए' प्लस श्रेणी में आने का प्रयास करें और 'ए' प्लस वाले यथास्थिति को बनाये रखें। संचारी रोग की समीक्षा करते हुए उन्होने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिनको जो दायित्व मिला है, उसे आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रम को सफल बनायें।

बैठक का संचालन संयुक्त विकास आयुक्त बलराम कुमार ने किया। इसमें जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, महेन्द्र सिंह तंवर, राजा गणपति आर, सीडीओ सार्थक अग्रवाल, जयकेश त्रिपाठी, जयेन्द्र कुमार, उप निदेशक अर्थ एवं संख्या अमजद अली अंसारी, तीनों जिलों के सीएमओ, डीएफओ जयप्रकाश, डीपीआरओ रतन कुमार, पीओ डूडा सुनीता सिंह सहित मण्डलीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

पानी पैकिंग के फैक्ट्री पर छापा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के पालीटेक्निक के पास गुरुवार को एक पानी फैक्ट्री पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने छापेमारी की। यहां हजारों लीटर बोतलबंद पानी बरामद हुआ। जांच के दौरान पाया गया कि पार्टनरशिप में यह फैक्ट्री चलाने का मामला है। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल सिंह ने बताया कि संतकबीरनगर का व्यक्ति अदनान ने शिकायत किया कि उसके रजिस्टर्ड फर्म वेदिक नाम से मुबारक अली और सतीश सिंह मिलकर पानी की पैकिंग कराते हुए उसकी सप्लाई कर रहे हैं। जबकि हम इस ब्रांड को बंद कर चुके हैं। बावजूद इसके वह सप्लाई कर रहे हैं। छापेमारी के दौरान बड़े पैमाने पर बोतल बंद पानी रखा पाया गया है। चीफ फूड इंस्पेक्टर ने बताया कि टीम के साथ छापेमारी

की और शिकायतकर्ता भी मिला। उसकी निशानदेही पर वहां टीम पहुंची, गोदाम में पानी मिला। बताया कि उसे सील कर दिया गया है। संबंधित से जवाब मांगा गया कि कागज आदि दिखाएं। बताया गया कि पहले दोनों इसी फैक्ट्री को पार्टनशिप में चलाते थे। बाद में शिकायतकर्ता ने अपना नाम वापस ले लिया था। लेकिन, उसका कहना है कि उसी फर्म पर पानी बनाकर सप्लाई करते हैं। जांच कर कार्रवाई की जाएगी। मुबारक अली और सतीश सिंह गोरखपुर में प्रत्यावेदन देकर रजिस्टर्ड की बात कह रहे हैं।

रूस का एयरबेस ड्रोन हमले में तबाह

मास्को (आभा)। एक तरह जहां रूस–यूक्रेन के बीच शांति के लिए अमेरिका जोर आजमाइश कर रहा है, वहीं ये दोनों देश जमीन पर एक दूसरे को बख्शने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। यूक्रेन ने गुरुवार को रूस के एंगेल्स स्ट्रैटेजिक बॉम्बर बेस पर ड्रोन हमला किया, जिससे जबरदस्त धमाका हुआ। धमाके की वजह से धुएं का गुबार और आग की लपटें उठने लगीं। ये हमला जंग के मोर्चे से करीब 700 किलोमीटर दूर हुआ।

रूस के सरकारी अफसरों के हवाले से रायटर्स ने इस धामके वाले वीडियो की पुष्टि की है।

कबीर आश्रम और मंदिर के पास से शराब की दूकान हटाने की मांग: सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सरदार सेना के बस्ती सदर विधानसभाध्यक्ष आकाश पटेल और समाजसेवी रवि पाल पटेल के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर कोतवाली थाना क्षेत्र के मूड़घाट से देशी शराब और कम्पोजिट शराब की दूकान हटाये जाने की मांग किया।

डीएम को दिये ज्ञापन में कहा गया है कि कबीर आश्रम और मंदिर के निकट शराब की दूकान खुल जाने से ग्रामीणों को काफी असुविधा हो रही है। मांग किया कि व्यापक जनहित में शराब की दूकान को तत्काल प्रभाव से हटवाया जाय। इसी कम में सरदार सेना ने बस्ती–फैजाबाद हाइवे मूडघाट के निकट ओबर व्रिज बनाये जाने की मांग किया जिससे दुर्घटनाओं पर रोक लगे। समाजसेवी रवि पाल पटेल ने कहा कि शराब की दूकान खुल जाने से लोगों में रोष है। तत्काल इसे हटवाया जाय।

डीएम को ज्ञापन देने के दौरान मुख्य रूप से जगराम चौधरी, हरीश यादव, परशुराम प्रजापति, हरिश्चन्द्र चौहान, जान साहनी, सिद्धनाथ प्रजापति, लालजीत यादव, रोहित चौहान, अंगद, सूरज, संगद, राहुल, प्रर्मिला, सीता देवी, उर्मिला, मीरा देवी, सुमित्रा, संगीता, नीलम, मीना, अनीता, कलावती आदि शामिल रहे।

जमीनी विवाद, मारपीट, छेड़खानी मामले में डीआईजी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लालगंज थाना क्षेत्र के महसो खास निवासिनी मीनू पत्नी बच्चूलाल गौड़ ने गुरूवार को डीआईजी को पत्र देकर जमीनी विवाद में मारपीट और छेड़खानी मामले में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर न्याय की गुहार लगाया है।

भेजे पत्र में मीनू पत्नी बच्चूलाल ने कहा है कि उसका परिवार अपने सहन की सुरक्षा के लिये बाउन्ड्रीवाल बनवा रहा था। गांव के नागेन्द्र शुक्ल पुत्र सुरेन्द्र शुक्ल, प्रशान्त, विनीत, वीरेन्द्र पुत्र सुरेन्द्र शुक्ल निर्माण कार्य का वीडियो बना रहे थे। मामले में हल्का लेखपाल ने पैमाइश किया जिसमें मीनू का घर गांव के डीह आबादी में पाया गया। उसके मकान के आस पास नागेन्द्र, वीरेन्द्र आदि की जमीन भी नहीं है। डीआईजी को दिये पत्र में मीनू पत्नी बच्चूलाल गौड ने कहा है कि गत 16 मार्च को जब वह घर में अकेली थी तो नागेन्द्र शुक्ल के पुत्र विनीत उर्फ प्रिन्स उसके घर में घुस आये और छेड़खानी करने लगे। उसके शोर मचाने पर पति और भाई दौड़े आये तो प्रिन्स घर से भाग गया। इसके बाद उसके पिता नागेन्द्र, भाई प्रशान्त, चाचा वीरेन्द्र शुक्ल लाठी डंडा लेकर घर पर चढ आये और गालियां दी। मारपीट के दौरान उसके भाई अभिषेक का सिर फट गया, पति को भी चोटें आयी। घटना की सूचना लालगंज पुलिस को 112 नम्बर पर दिया गया और थाने पर तहरीर भी दिया गया किन्तु लालगंज पुलिस ने न तो डाक्टरी मुआयना कराया न मुकदमा पंजीकृत हुआ। उसने मांग किया है कि प्रकरण में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर उसके परिवार के जान माल की रक्षा कराया जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 21 मार्च 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

मौसम का बदलता मिजाज

मौसम के बदलते मिजाज ने अनेक मुश्किलें खड़ा करना शुरू कर दिया है। कभी जिस मार्च के महीने को ठंड–गर्म के मिलेजुले सुहावने मौसम के रूप में याद किया जाता रहा है, उस दौरान यदि कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की जा रही है तो यह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। निर्विवाद रूप से यह दीवार पर लिखी इबारत है कि ग्लोबल वार्मिंग का गहरा असर हमारे जन–जीवन पर गहरे तक पड़ रहा है। मौसम के मिजाज में अभूतपूर्व बदलाव देखिए कि जहां हाल ही में कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी व कुछ राज्यों में बारिश हुई है, वहीं मौसम विभाग ने देश के पांच राज्यों में गर्म हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। एक ओर जहां झारखंड व ओडिशा में रेड अलर्ट जारी किया गया है तो पश्चिम बंगाल, ओडिशा और महाराष्ट्र में विदर्भ के इलाकों में गर्म हवा चलने की चेतावनी दी गई है। बीते रविवार को ओडिशा के एक शहर का तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं झारखंड में कुछ जगह पारा चालीस पार कर गया। पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में लू चलने की खबरें हैं। मौसम विज्ञानी हैरत में हैं कि जैसी गर्मी पिछले साल अप्रैल के महीने में महसूस की गई थी, वैसी गर्मी मार्च के मध्य में क्यों महसूस की जा रही है। मौसम विभाग इसकी वजह देश के ऊपर बना उच्च दबाव मानता है। वहीं साफ मौसम की वजह से सूरज की सीधी किरणें तेज पड़ रही हैं। चेतावनी दी जा रही है कि आगामी कुछ दिनों में देश के अधिकांश हिस्से तेज गर्मी की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में हमारी सरकारों को ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों के मद्देनजर बचाव के उपायों को तेज करने की जरूरत है। साथ ही नागरिकों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि लोगों का रहन–सहन, खान–पान और सार्वजनिक स्थलों पर व्यवहार कैसे रहें, ताकि लू की मार से बचा जा सके। गर्मी के दुष्प्रभाव पीड़ित लोगों के उपचार के लिये अस्पतालों में आपातकालीन वार्ड बनाए जाने की जरूरत है।

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मौसम के तेवरों में तल्खी के चलते हमारी खाद्य शृंखला भी खतरे में पड़ती दिखाई दे रही है। इन तीव्र बदलावों के चलते जहां खाद्यान्नों की पैदावार में गिरावट आ रही है, वहीं किसान बाढ़ व सूखे से भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। भारत में ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों पर शोध करने वाली एक संस्था का कहना है कि क्षेत्रीय आधार पर चरम मौसम की मार अलग–अलग राज्यों में अलग–अलग प्रभाव डाल रही है। अब तक देश के जो इलाके बाढ़ के प्रभाव के लिये जाने जाते थे, वहां अब सूखे का असर दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर सूखाग्रस्त माने जाने वाले इलाकों में बाढ़ का प्रकोप बढ़ रहा है। ऐसे जिलों की संख्या सैकड़ों में बतायी जा रही है, जिसका सीधा असर फसल की पैदावार पर पड़ रहा है। यह तथ्य सर्वविदित है कि ग्लोबल वार्मिंग का असर विश्वव्यापी है, लेकिन भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश के लिए यह प्रभाव कालांतर में खाद्य संकट पैदा करने वाला साबित हो सकता है। वहीं दूसरी ओर समुद्री जल का तापमान बढ़ने से जो जल स्तर बढ़ रहा है, उसके चलते देश के कई द्वीपों व समुद्रतटीय इलाकों में जीवन पर संकट मंडराने लगा है। यह संकट पहाड़ी राज्यों में असर डाल रहा है। जहां बर्फबारी कम होने से फल व खाद्यान्न उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। यहां तक कि उत्तराखंड में शीतकालीन खेलों की पहचान रखने वाले औली में कम बर्फ पड़ने के कारण इस बार भी शीतकालीन खेलों को स्थगित करना पड़ा है। वातावरण में बढ़ते तापमान के कारण यहां बर्फ समय से पहले ही पिघल गई। बीते साल देश के विभिन्न राज्यों में लू चलने की संख्या पिछले डेढ़ दशक में सबसे ज्यादा थी। आशंका जतायी जा रही है कि इस बार गर्मी नये रिकॉर्ड बना सकती है, जिसके चलते आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर गंभीर होने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर, हमें बढ़ते तापमान के साथ जीने की कला भी सीखनी ही होगी।

परस्पर संवाद से हो क्षेत्रीय मुद्दों का समाधान

–गुरबचन जगत–

इस सदी के पहले डेढ़ दशक के दौरान मुझे दक्षिण और उत्तर–पूर्वी भारत का व्यापक दौरा करने का अवसर मिला था। इससे पहले,जम्मू–कश्मीर में उथल–पुथल भरे कुछ वर्षों के दौरान वहां रहने का भी मौका मिला था और बेशक पंजाब तो मेरा गृह राज्य है ही और यही वह सूबा है जहां पर 1966 में बतौर आईपीएस मेरी सेवाएं शुरू हुई थीं। यह इस महान राष्ट्र में मेरे दायरे की विहंगम दृश्यावली है और अकसर मैं इसकी विशालता पर विस्मित हुआ करता हूं। लगभग पांच दशकों की सरकारी सेवा के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में दौरा–निरीक्षण, लोगों से हुआ मेल–जोल 'विविधता में एकता' के पुराने सिद्धांत को समृद्ध परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है।

हमारे पूर्वजों की बुद्धिमत्ता और संविधान के अनुच्छेद 15 में अंतर्निहित सिद्धांत की बदौलत हमारे राष्ट्र को मिले संतुलन का मैं गवाह हूं। पुलिस में अपने कार्यकाल के दौरान मैंने यह उस तबाही को भी देखा है जो निहित स्वार्थों द्वारा पुरानी विभाजन रेखाओं को उभारने से बन सकती है। इन दिनों राष्ट्रीय मीडिया पर दक्षिण भारत की हलचल की खबरें खूब छाई हुई हैं और राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक गलियारों में भी यह गर्मागर्म बहस का विषय है। इस विवाद की हालिया वजह 2026 में होने वाली नई जनगणना के आधार पर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों का अपेक्षित परिसीमन है। अन्य कारकों में समान नागरिक संहिता, नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन, हिंदी थोपने की आशंका, संघीय ढांचे को कथित रूप से कमजोर करना और केंद्र सरकार से राज्यों को अपर्याप्त धन का प्रवाह है।

दक्षिणी राज्यों को लगता है, और शायद यह सही भी है, समग्र विकास सूचकांकों में वे मध्य और उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में कहीं अधिक आगे हैं, विशेष रूप से आईटी क्षेत्र, विनिर्माण, फार्मास्यूटिकल्स, मानव संसाधन विकास, उच्च तकनीकी और स्कूली शिक्षा में। उनकी एक बड़ी संख्या अनिवासी भारतीयों की भी है, जो विदेशों से राष्ट्रीय कोष में अरबों डॉलर जोड़ते हैं। दक्षिण भारत का समुद्री मार्ग से खाड़ी एवं अन्य देशों के साथ व्यापार का समृद्ध इतिहास रहा है, जो उन्हें व्यापार और विस्तारित परिवारों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपस में काफी जोड़कर रखता है। आज बंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई अग्रणी ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर्स हैं, और उन्हें अपने यहां बड़ी संख्या में कामगार प्रवासी समुदाय और सफेदपोश नौकरियां मुहैया करवाने पर गर्व है। उन्हें डर यह है कि आगामी परिसीमन उनके राजनीतिक और वित्तीय भविष्य की जड़ों को काट देगा। शिक्षा ने दक्षिण भारत को परिवार नियोजन के लाभों से जागरूक किया और उन्होंने आबादी नियंत्रण में काफी सफलता भी प्राप्त की है।

यदि परिसीमन की वर्तमान प्रक्रिया को अंजाम दे दिया जाता है तो संसद में वहां से आने वाली कुल सीटों का प्रतिशत घट जाएगा और इसके मुख्य लाभार्थी यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र होंगे। इन दिनों इस विषय पर खुलकर कहा जा रहा, लेकिन जब मैं दक्षिण भारत में कुछ बैठकों में भाग लेने जाता था तब नौकरशाही के स्तर पर इस मामले पर बात दबी आवाज में की जाती थी। उनका डर यह था कि शिक्षा, नियंत्रित जनसंख्या, बेहतर संस्थागत और शैक्षिक बुनियादी ढांचा और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में अधिक योगदान के बावजूद, संख्या के आधार से वे कभी राजनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण स्थिति में नहीं रह पाएंगे। यह बात बिना लाग–लपेट कही जाती थी, बाकी आप पर छोड़ दिया जाता था कि अपने निष्कर्ष खुद निकालें। केन्द्र के साथ खुले संवाद के अभाव में, धीरे–धीरे राजनेता सार्वजनिक मंचों पर आकर अब वह सब कहने लगे हैं, जो पहले अनकहा रहा। उन्हें परिसीमन नहीं चाहिए, वे समान नागरिक संहिता नहीं चाहते, वे नहीं चाहते कि हिन्दी उनपर थोपी जाए, बल्कि वे केंद्र से ज्यादा धन और राष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर अधिक हैसियत चाहते हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या कोई उनसे इस सिलसिले में वार्ता कर रहा है? यह सरकार का कर्तव्य होता है कि संभावित समस्या का पूर्वानुमान लगाए और सुनिश्चित करे कि पुराने और नए विवादों की बारीक दरारें चौड़ी खाई में परिवर्तित न होने पाएं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि क्षेत्रीय राजनीति पर द्रविड़ आंदोलन का हमेशा से तगड़ा साया रहा है और डीएमके, एआईएडीएमके और एमडीएमके, सभी इसी आंदोलन की उपज हैं।

फिलहाल पांच प्रमुख दक्षिणी राज्य (तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र) के पास संसद की कुल 543 सीटों में से 129 सीटें हैं, जो कुल राष्ट्रीय वोटर संख्या के महज 23.7 फीसदी का प्रतिनिधित्व करती हैं। जबकि इसकी तुलना में, चार उत्तरी सूबे (यूपी, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश) जनगणना के हिसाब से सबसे अधिक लाभ ले रहे हैं। उनके पास 543 में से 197 सीटों का प्रतिनिधित्व है, यानी उनके पास संसद में पहले से ही 36.2 फीसदी वोट शेयर है, शेष बची सीटें 27 अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच बंटी हुई हैं। अगर आप दक्षिण भारत से हैं, जिसका सामना पहले ही अधिक दबदबे वाले उत्तर भारत से है और वह और अधिक प्रभुत्त्व बनाने की ओर अग्रसर है, तो आपको अपनी हैसियत खोने का डर जायज है। एक बात जो मैं समझ नहीं पाया, वो यह कि उच्चतम स्तर पर कोई गंभीर बातचीत क्यों नहीं चली। पारिवारिक विवादों से लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विवादों तक में, सदा संवाद ही समाधान का रास्ता रहा है। यह बातचीत किसी समस्या के आरंभिक लक्षण बनते ही या पैदा होने के बाद, कभी हो सकती है, फिर वार्ता करने में झिझक क्यों? बातचीत कमजोरी की निशानी न होकर समस्याएं सुलझाने की इच्छाशक्ति होती है और संवाद शुरू करने के लिए सबसे बढ़िया है कि बात सीधे संबंधित पक्ष से की जाए। सरकार उच्च स्तरीय प्रतिनिधियों के जरिये संबंधित राज्यों से बात करे, बातचीत खुलकर हो। दिमाग खुला रखकर कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान संभव है।

यही बात पूर्वोत्तर पर भी लागू है। यह वो इलाका है, जहां पर सहमति और मतभेद हमेशा एक साथ मौजूद रहे हैं, वहां के मुद्दों पर राष्ट्रीय मीडिया और राजनेता आमतौर पर गायब रहते हैं। यहां मुख्य भूमि पर वहां के बारे में जो कुछ सुनते हैं, वह वहां जमीनी हकीकत पर ठीक उलट दिखाई देता है। समझौते की आड़ में नगालैंड पर कभी भूमिगत रहे तत्त्वों का राज दशकों से चला हुआ है, दीमापुर उनका गढ़ है, एक तरह से राजधानी। वे जब चाहें, जहां चाहें, नाकाबंदी कर देते हैं या उठा लेते हैं। केंद्र सरकार की मर्जी के खिलाफ मिजोरम म्यांमार से आने वाले लोगों को शरण दे रहा है और उनके लिए तथा मणिपुर के बेदखल हुए आदिवासियों के लिए सहायता शिविर स्थापित किए हैं। म्यांमार से लगती मणिपुर और मिजोरम की सीमा लगभग खुली है। मणिपुर त्रासदी जब से शुरू हुई है, कई लोगों की जान चली गई, और इससे कई गुना लोग बेघर हुए हैं और विभिन्न कबीलों के हथियारबंद गिरोह अपने–अपने इलाके में शासन चला रहे हैं। वे जब चाहें लूटपाट, बलात्कार और हत्या कर देते हैं, पुलिस शस्त्रागारों से बड़े पैमाने पर हथियारों की लूट हुई है। विभिन्न जनजातियों के सभी प्रमुखों के साथ वृहद बातचीत क्यों नदारद है? क्या केवल फौजी ताकत का प्रयोग ही समाधान है? देश के लिए पुरानी चिंता का अन्य स्रोत पंजाब और जम्मू–कश्मीर राज्य हैं। कुछ समय राहत के बाद वहां फिर से सरगर्मियां बढ़ी हैं। यह उस ज्वालामुखी की भांति है, जो सतह के नीचे धधकता रहता है और एक दिन अचानक फट जाता है। हालांकि, ज्वालामुखी के विपरीत, उपरोक्त वर्णित क्षेत्रों में हम शांति लाने के लिए कदम उठा सकते हैं।

केंद्र एवं राज्य सरकारों को संसद, राज्यों की विधानसभाओं और लोगों से बात करनी चाहिए। लोगों को विश्वास में लिया जाना चाहिए, शांति में हम सभी का हित है। पंजाब और जम्मू–कश्मीर, दोनों राज्यों में फिर से सरगर्मी बढ़ने लगी है और ऐसा लगता है कि सीमा पार के हमारे पड़ोसी एक बार फिर से आग भड़काने में लगे हैं। रोजाना गंभीर घटनाएं हो रही हैं और सरकार से हमें केवल लफ्फाजी सुनने को मिल रही है। धर्म और राजनीति का घालमेल एक घातक मिश्रण है, जैसा कि हम विगत में देख चुके हैं। ऐसी घटनाओं को दबायाा नहीं जा सकता। राजनीतिक दलों को स्वार्थ साधना बंद करना होगा और सरकार को अपनी इच्छाशक्ति और प्रशासन को अपना संकल्प दिखाना चाहिए दृ यदि अभी नहीं, तो कब?

लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू–कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

क्या राजनीति में सभी दाग अच्छे हैं?

–प्रियंका सौरभ–

बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास जैसी चिंताओं के बीच, एक परेशान करने वाला नया चलन सामने आया है, राजनीतिक दलों की वादा खिलाफी तथा नेताओं की अमर्यादित भाषा का। राजनीतिक दल अपने वादे पूरे करने में विफल रहे हैं और नेता अनुचित भाषा का सहारा ले रहे हैं। हमारी सड़कों की हालत बहुत खराब हैय कई इलाकों में, वे बमुश्किल ही सड़कों जैसी दिखती हैं। जल प्रबंधन और सीवेज सिस्टम जैसी जरूरी सेवाओं का अभाव है। चिकित्सा सुविधाएँ भी इसी तरह अपर्याप्त हैं, आबादी के सापेक्ष अस्पतालों की कमी है, और जो मौजूद हैं उनमें अक्सर जरूरी संसाधनों की कमी होती है। ऐसा लगता है कि नेता सिर्फ दिखावटी बनकर रह गए हैं, जो असली मुद्दों को हल करने की उपेक्षा कर रहे हैं। अतीत में, राजनेता अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करते थे, और राजनीति में जो संस्कृति, सभ्यता और शालीनता की भावना थी वो अब गायब हो गई है। आजकल, नेता अक्सर व्यक्तिगत हमलों में शामिल होते हैं, विमर्श की सीमा को पार करते हैं। राजनीति में भाषा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैय लोकतंत्र में, एक नेता की शक्ति भाषा पर उसके नियंत्रण से बहुत हद तक जुड़ी होती है। स्वतंत्रता के बाद से, राजनीतिक परिदृश्य नाटकीय रूप से बदल गया है, साथ ही राजनेताओं के आरोपों के लहजे और शैली में भी बदलाव आया है। आज कुछ नेता अपने विरोधियों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करते हैं, जबकि अन्य आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं। क्या हमारे राजनीतिक क्षेत्र में गरिमा की कोई भावना बची है? ऐसी भाषा का सहारा लेने से पहले, ये राजनेता देश और उसके नागरिकों के लिए संभावित नतीजों से बेखबर लगते हैं। अपने विरोधियों को कमतर आंकने की कोशिश में, नेता अक्सर ऐसे बयान देते हैं जो न केवल निरर्थक होते हैं बल्कि आपत्तिजनक भी होते हैं। ऐसी टिप्पणियाँ स्वस्थ और रचनात्मक राजनीति के आदर्शों को धूमिल करती हैं। क्या ये नकारात्मक प्रभाव हमारी राजनीतिक व्यवस्था में स्वीकार्य हैं? ये बयान स्वस्थ्य और अच्छी राजनीति की परिकल्पना पर दाग भी लगाते हैं. फिर भी इन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती. क्या राजनीति में ये दाग अच्छे हैं?

हरियाणा विधानसभा में नेताओं द्वारा षगोबर पीने वालेष जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। चुनाव नजदीक आते ही राजनीतिक दल अक्सर स्वीकार्य भाषा की सीमाओं को लांघ देते हैं। पार्टी नेता अपनी बात बेबाकी से कहते हैं, अक्सर मुखर होकर बोलते हैं। चुनाव के मंच पर आरोप–प्रत्यारोप के अलावा व्यक्तिगत हमले अब संसद और विधानसभाओं में भी होने लगे हैं। उदाहरण के लिए, जब विधायक राजकुमार गौतम ने गोहाना में मिलावटी जलेबी बनने की बात कही, तो गोहाना के विधायक और कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा कि गौतम तो गोबर भी पीते हैं, उन्होंने कहा कि उन्हें जलेबी की गुणवत्ता की चिंता नहीं करनी चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे लोग सार्वजनिक धन की कीमत पर तुच्छ काम कर रहे हैं। हमें सोचना चाहिए कि हमारे देश के भविष्य को आकार देने वालों की भाषा कितनी खराब हो गई है। जागरूक मतदाताओं से ही राजनीतिक विमर्श में सुधार हो सकता है। तर्क–वितर्क और भ्रांतियों के बीच शब्दों के अर्थ विकृत होते जा रहे हैं, जो एक बड़ी चिंता का विषय है। यह स्पष्ट है कि आज के राजनीतिक परिदृश्य में भाषा के सम्मान की अवहेलना की जा रही है, और यह सब उन्हीं सदनों में हो रहा है जो लोकतंत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए बने हैं। नेताओं द्वारा शब्दों का चयन कई सवाल खड़े करता है। उन्हें यह समझना चाहिए कि उनके अनुयायी उनकी बयानबाजी को ही दोहराएंगे। यह कोई अकेली घटना नहीं हैय कई नेताओं ने पहले भी विवादित टिप्पणियों से राजनीतिक क्षेत्र को कलंकित किया है। राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन वे तेजी से स्पष्ट कलह में बदल रहे हैं। नेताओं को याद रखना चाहिए कि दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जैसे लोगों में सबसे कटु बात का उत्तर शालीनता से देने का कौशल था।

भाषा की टूटती मर्यादा आज के समय में घटते राजनीतिक मानकों का पैमाना है। एक नेता की असली क्षमता अक्सर उसके शब्दों के चयन में झलकती है। अगर राजनीतिक नेता यह पढ़ रहे हैं, तो उन्हें यह पहचानना चाहिए कि भाषा का सम्मान उनके कद को बढ़ाता है, जबकि अशिष्टता इसे कम करती है।

हेडफोन–गेमिंग से बहरे होने का बढ़ता खतरा

– ललित गर्ग–

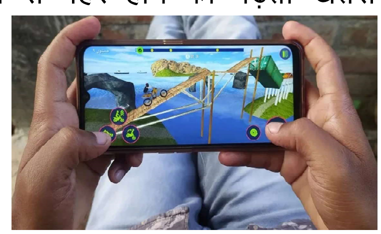

टेक्नोलॉजी विकास एवं उससे जुड़े नये–नये उपकरण आधुनिक जीवनशैली को भले ही बहुत आसान कर दिया हो लेकिन इसके अनियंत्रित उपयोग से भारी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अक्सर देखा जाता है कि जॉब करने वाले माता–पिता अपना टाइम बचाने एवं सुविधा के लिए बच्चों को छोटी उम्र में ही फोन और हेडफोन का उपयोग करने के लिए देते हैं। लेकिन ये उपकरण उनके बच्चों के लिए कितने नुकसानदायक एवं खतरनाक हैं इसका खुलासा नये–नये अध्ययनों से सामने आ रहा है, जो चिन्ताजनक एवं डरावना है। ऐसे ही एक अध्ययन में यह आशंका जतायी गयी है कि लगातार कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है और वे बधिरता से ग्रस्त होते जा रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो पिछले कई महीनों में बच्चों के कानों में दर्द, सुनने में परेशानी, बधिरता और संक्रमण की शिकायतें बहुत ज्यादा आ रही हैं। वहीं डॉक्टर्स का कहना है कि इन उपकरणों के उपयोग से कानों पर काफी ज्यादा जोर पड़ता है और घंटो तक तेज आवाज सुनने से सुनने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को सर्तक किया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें। दरअसल, डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे। यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों एवं युवाओं में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे एवं युवा जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं। पहले कम सुनने की समस्या दिखायी देती है और कालांतर में यह समस्या बहरेपन में तब्दील हो जाती है। दरअसल, कानों पर तकनीकी शोर का इतना अधिक दबाव बढ़ गया है कि बच्चे एवं युवा अपनी सुनने की प्राकृतिक क्षमता खोने लगे हैं। जो एक विश्वव्यापी आसन्न गंभीर संकट को ही दर्शाता है, इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो बहरों की दुनिया बनने से रोकना मुश्किल हो जायेगा।

विज्ञान के अनुसार, हमारे कानों के सुनने की क्षमता निर्धारित है। हमारे कानों के लिए 40 से 60 डेसिबल सुनने की क्षमता निर्धारित की है जो सही है, लेकिन इससे ऊपर यानी 85 से 100 डेसिबल साउंड कानों के लिए खतरनाक है। यूं तो बहरापन उम्र के साथ आता है लेकिन पिछले कुछ दशकों में कम सुनाई देने यानी बहरेपन की समस्या तेजी से युवाओं और बच्चों को अपना शिकार बना रही है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जाहिर की है। युवाओं एवं बच्चों में बढ़ते मोबाइल एवं ईयरफोन के प्रचलन एवं तेज आवाज में गाने एवं संगीत सुनने की लत से पिछले कुछ सालों में बहरेपन का संकट बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों की बात करें तो पिछले दशकों में दुनिया में 3.4 करोड़ से अधिक बच्चों में कम सुनाई देने की क्षमता के केस सामने आए हैं। यह दुनिया की एक भयावह एवं चुनौतीपूर्ण समस्या की ओर बढ़ने का संकेत है, एक पूरी पीढ़ी के बहरे होने की चुनौती को खड़ा कर रहा है। विडंबना यह है कि जीवनशैली में नित–नये आ रहे बदलावों तथा शिक्षा कार्यों के लिये ऑनलाइन रहने की दलील ने बच्चों को मोबाइल–लेपटॉप–ईयरफोन का आदी बना दिया है। तेज आवाज का संगीत व तरह–तरह के कंसर्ट बच्चों को लुभाते हैं। ऐसे में अभिभावक बच्चों को इस संकट की भयावहता से अवगत कराएं तथा समय–समय पर उनके कानों का चेकअप कराते रहें। कोशिश हो रचनात्मक तरीके से उनकी इस आदत को बदलने का प्रयास किया जाए।

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि सामान्य तौर पर 60 साल के बाद लोगों में सुनने की क्षमता कम होने लगती है। लेकिन जिस तरह की जीवनशैली आज के युवा एवं बच्चे अपना रहे हैं, उससे कम उम्र में ही ये क्षमता कमजोर हो रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह ईयरफोन और हेडफोन को बताया जा रहा है। नए जमाने में हेडफोन और ईयरफोन भले ही काफी उपयोगी हों लेकिन इनका ज्यादा इस्तेमाल करने से युवा एवं बच्चें बहरेपन के रिस्क में आ रहे हैं। माना जा रहा है कि जितने ज्यादा डेसिमल में हेडफोन यूज किया जाएगा, उतना ही ज्यादा कानों को नुकसान होगा। जिस तरह से आजकल के युवा एवं बच्चे हैडफोन और ईयरफोन का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे उनके कान तेज आवाज के संपर्क में लगातार रहते हैं और इससे कान की नाजुक मांसपेशियों को नुकसान पहुंच रहा है एवं बहरेपन की समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है।

दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि आज मोबाइल फोन, लेपटोप, हैडफोन और ईयरफोन एक आवश्यक बुराई बन चुका है।

विदेशी आक्रांता के महिमामंडन का मतलब देशद्रोह, आज के भारत को ऐसे देशद्रोही स्वीकार नहीं –सीएम योगी

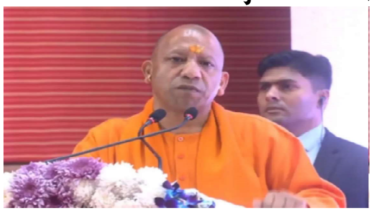

संवाददाता—बहराइच। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बहराइच में विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन करने वालों को देशद्रोही करार दिया। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की सनातन संस्कृति और परंपरा का गुणगान कर रही है तब भारत के महापुरुषों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव हर नागरिक का दायित्व होना चाहिए। इन स्थितियों में किसी भी आक्रांता का महिमामंडन नहीं करना चाहिए। आक्रांता के महिमामंडन का मतलब देशद्रोह की नींव को पुख्ता करना है और स्वतंत्र भारत ऐसे किसी देशद्रोही को स्वीकार नहीं कर सकता है।

उन्होंने कहा कि जो लोग भारत के महापुरुषों को अपमानित करते हों और उन आक्रांताओं का महिमा मंडन करते हों जिन्होंने भारत की सनातन संस्कृति को रौंदने का कार्य किया था, बेटियों की इज्जत पर हाथ डालने और हमारी आस्था पर प्रहार किया था, उसे आज का यह नया भारत स्वीकार करने को कतई तैयार नहीं है। मुख्यमंत्री बहराइच में तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) के मुख्य भवन के साथ ही आवासीय भवनों का उद्घाटन करने पहुंचे थे। तहसील का मुख्य और आवासीय भवन 845.19 लाख की लागत से 2,138 वर्ग मीटर में निर्मित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहराइच भारत की ऋषि परंपरा से जुड़ा हुआ जनपद है। कहते हैं महर्षि बालार्क का एक विश्व प्रसिद्ध आश्रम इसी बहराइच में था। बहराइच की पहचान और नाम उन्हीं बालार्क ऋषि के नाम पर था। यह बहराइच वही ऐतिहासिक भूमि है जहां पर एक विदेशी आक्रांता को धूल धूसरित करते हुए महाराजा सुहेलदेव ने भारत की विजय पताका को फहराया था। महाराज सुहेलदेव ने विदेशी आक्रांताओं के खिलाफ जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया उसी की परिणिति थी कि 150 वर्ष तक कोई विदेशी आक्रांता भारत पर हमला करने की दुस्साहस नहीं कर पाया था। इस पावन धरा बहराइच को उसकी पहचान से वंचित करने का प्रयास हुआ था। पिछली सरकारें घोषणा करती थीं, लेकिन कार्य नहीं हो पाते थे। मिहींपुरवा तहसील में आज तक भवन नहीं था, जबकि एक सामान्य नागरिक के लिए सबसे ज्यादा कार्य तहसील से ही पड़ता है। भूमि संबंधी रिकॉर्ड हो, पैमाइश हो, वरासत की कार्यवाही हो, नामांतरण हो, बंटवारे का कार्य हो या फिर लैंड उसे से जुड़ी हुई इन सभी मामलों के निस्तारण का केंद्र तो तहसील है। जब तहसील का अपना भवन ही नहीं होगा तो एक सामान्य राजस्व से जुड़े मामलों में क्या न्याय मिल पाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार प्रदेश में आई उस समय 33 लाख से अधिक ऐसे राजस्व वाद थे जो लंबित पड़े थे। यह मामले लंबित थे तो गांव—गांव में मारपीट, बलवा होना, दबंग के द्वारा गरीब की जमीन को जबरन हथिया लेना आम बात रही होगी और यही कारण था उत्तर प्रदेश में पिछली सरकारों के निकम्मेपन के कारण यह केंद्र बेमानी और भ्रष्टाचार का अड्डा बन गए थे। एक सामान्य नागरिक न्याय की उम्मीद नहीं कर सकता था। गरीब की आवाज को दबाया जाता था। हम लोगों ने समय सीमा तय की कि अगर वाद लंबित है तो जवाबदेही तय होगी। इसी का परिणाम है कि हम लोगों ने 33 लाख मामलों का निस्तारण करके गरीब को न्याय दिलाने का काम किया है। सरकार की कार्वाई का परिणाम है कि एंटी भू माफिया टास्क फोर्स के माध्यम से 64 हजार एकड़ लैंड को अवैध कब्जे से मुक्त करने का कार्य किया गया है। आज प्रदेश में निवेश आ रहा है। डबल इंजन सरकार ने तय किया है कि हर गांव में ग्राम सचिवालय होगा। ग्राम सचिवालय में ऑप्टिकल फाइबर या वाईफाई की सुविधा देंगे और गांव में ही गांव के लोगों को बैंक की सुविधा मिलेगी। गांव में ही जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र और निवास प्रमाण पत्र सभी गांव में ही उपलब्ध हो इसके लिए ज्यादातर ग्राम पंचायतों ने इस कार्य को आगे बढ़ाना प्रारंभ किया है। सीएम योगी ने कहा कि अब किसी गरीब का हक नहीं मारा जा सकता, इसके लिए सेटेलाइट के माध्यम से हम ऐसी व्यवस्था करेंगे कि 1 इंच भी जमीन किसी गरीब की मारी नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि यहां तहसील पर जिन अधिकारियों की तैनाती होगी वह बहराइच में रहें ऐसा नहीं हो सकता। उनके लिए आवास भी यही बनेगा। वह यहीं पर कैंपस में रहकर समस्या का समाधान करेंगे। हमने पहले ही कह रखा है कि जहां तहसील है, ब्लॉक है, थाना है, सर्किल है, वहां के अधिकारी वहीं पर रहेंगे, रात्रि निवास भी वहीं पर करें, क्योंकि बहानेबाजी नहीं चल सकती। जब उन्हें यह आवासीय सुविधा मिलेगी तो लोगों को समय से न्याय मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं पिछले दिनों भी बहराइच आया था जब यहां पर भेड़िये के आतंक से लोग परेशान थे। उसने काफी बच्चों को अपना शिकार बनाया था लेकिन अंततः वह पकड़ा गया। हम लोगों ने पहले ही मानव वन्य जीव संघर्ष को आपदा की श्रेणी में रख करके उस परिवार को 5 लाख मुआवजा देने की व्यवस्था की। मुख्यमंत्री बोले कि अपार संभावनाओं को समेटे यह जनपद बहराइच घाघरा और सरयू नदी के तट पर स्थित है। खेती करतनिया के रूप में यहां पर वन्य जीव अभ्यारण भी है और अब तो बहराइच में मेडिकल कॉलेज भी बन गया है और महाराजा सुहेलदेव का विजय स्मारक भी बनकर तैयार हो गया है। यह वही जनपद है जो पहले अव्यवस्था और अराजकता का शिकार हुआ करता था। आज बहराइच में कोई अव्यवस्था नहीं फैला सकता। महाकुंभ की चर्चा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ के भव्य आयोजन के बाद पूरी दुनिया उत्तर प्रदेश की ओर कौतूहल भरी निगाहों से देख रही है। अभी 2 दिन पहले संसद में प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश वासियों और महाकुम्भ के आयोजन की प्रशंसा की है। मानवता का इतना बड़ा आयोजन दुनिया में कहीं नहीं हुआ है, कोई नहीं कर सकता। मां गंगा, मां यमुना, मा सरस्वती के त्रिवेणी संगम में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु जनों का आगमन, भारत की महान सनातन संस्कृति की युग गाथा को अनंत काल तक गाने के लिए आने वाली पीढ़ी को विरासत के रूप में दिया है। एक तरफ, एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार हो रही है, पूरा देश एकजुट होकर कार्य कर रहा है, जब दुनिया भारत की सनातन संस्कृति और भारत की परंपरा का गुणगान कर रहे है तब भारत के महापुरुषों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव हर नागरिक का दायित्व होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास की यह गाथा तभी आगे बढ़ सकती है जब हम अपनी विरासत को पूरे गौरव के साथ आगे बढ़ाने का कार्य करें। हमारी गौरव गाथा विरासत के साथ जुड़ती है और विरासत विकास के साथ जुड़ती है। विरासत और विकास की एक अद्भुत गाथा का ही नया रूप है बहराइच, जहां मेडिकल कॉलेज भी बन गया है और साथ—साथ बहराइच का बाईपास भी हमने स्वीकृत कर दिया है। नेपाल से कनेक्टिविटी को आसान कर दिया है और यहां पर जो करतनिया घाट है इसको इको टूरिज्म के हब के रूप में विकसित करने जा रहे हैं। यह वही जनपद है 2017 के पहले जीडीपी मात्र 6934 करोड़ थी और आज जब हम 23—24 की बात करते हैं तो यह कई गुना बढ़कर 25000 करोड़ रुपए से अधिक हो चुकी है। बहराइच में इस दौरान यहां पर निवेश के भी ढेर सारे प्रस्ताव आए हैं। निवेश का मतलब रोजगार सृजन और रोजगार की व्यवस्था को आगे बढ़ाना।

उन्होंने कहा कि बहराइच जनपद में हमारी सरकार ने 2,10000 से अधिक गरीबों को एक—एक आवास उपलब्ध करवाया है। इसके साथ ही 4 लाख 12 हजार से अधिक गरीबों के घर में शौचालय बनाने का काम भी किया है। 1041 गांव में सामुदायिक शौचालय का निर्माण भी किया है। बहराइच में 66,200 से अधिक निराश्रित महिलाओं को 12,9000 से अधिक वृद्धजनों को और 20,000 से अधिक दिव्यांग जनों को 12000 सालाना पेंशन की सुविधा का लाभ प्रदान किया जा रहा है। 52800 से अधिक बेटियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अब तक हम लोगों ने हजारों बेटियों की शादी बहराइच में की है। 1 अप्रैल से हम इसके तहत 51,000 की राशि को बढ़ाकर एक लाख करने जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि सरकार गरीब, किसान, महिला, नौजवान सभी को बिना भेदभाव शासन की योजनाओं से जोड़ना चाहती है। उन्होंने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं हो सकता है और जो यह भवन बनाए जा रहे हैं यह उसी का हिस्सा हैं। बहुत शीघ्र हम यह व्यवस्था भी करने जा रहे हैं कि हर तहसील में फायर स्टेशन की स्थापना भी हो, जिससे गर्मियों में किसी भी अग्निकांड की घटना से जन—धन की हानि न होने पाए।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और विधान परिषद सदस्य और पूर्व सांसद पदम सिंह चौधरी, विधायक सरोज सोनकर, सुरेश्वर सिंह, सुभाष त्रिपाठी, रामनिवास वर्मा, अध्यक्ष जिला पंचायत बहराइच मंजू सिंह, विधान परिषद की सदस्य प्रज्ञा त्रिपाठी, भाजपा जिला अध्यक्ष ब्रजेश पांडे, पूर्व मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा, पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड व अन्य प्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

फ्रॉड कर उड़ाए पैसे पुलिस ने खाते में वापस कराए

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा कस्बे के शास्त्री नगर निवासी योगेंद्र कुमार जायसवाल का बीते 27 जनवरी को 12 हजार रुपये का साइबर फ्रॉड हो गया था। इस मामले में नौतनवा साइबर पुलिस टीम ने गुरुवार को पैसा खाते में वापस करा दिया। पीड़ित का फ्रॉड हो चुका पैसा खाते में वापस आ जाने की सूचना पर खुशी से झूम उठा। योगेंद्र कुमार के मोबाइल में आए मैसेज द्वारा साइबर ठगो ने उनके खाते से 12 हजार रुपया उड़ा लिया था। योगेंद्र कुमार ने मामले की शिकायत नौतनवा पुलिस से की थी। साइबर टीम ने पीड़ित की शिकायत दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू की थी। साइबर ठगों ने योगेंद्र कुमार के खाते से पैसे का फ्रॉड कर जिस खाते में पैसा ट्रांसफर लिया था, पुलिस ने जांच के दौरान उक्त खाते को फ्रीज कर दिया था। जांच प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद साइबर पुलिस टीम ने योगेंद्र कुमार का ठगी किया गया पैसा उसके खाते में वापस करा दिया। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि साइबर फ्रॉड के मामले की जांच चल रही थी। जांच पूरी होते ही शिकायतकर्ता का पैसा उसके खाते में ट्रांसफर करा दिया गया है।

ईवीएम व वीवीपैट का हुआ निरीक्षण

संवाददाता—महराजगंज। डीएम अनुनय झा ने ईवीएम एवं वीवीपैट के सुरक्षित भण्डारण व सुरक्षा का त्रैमासिक निरीक्षण कलक्ट्रेट परिसर में स्थित वीवीपैट के स्ट्रांग रूम के वेयरहाउस में किया। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सुरक्षा गार्डों की तैनाती, रिसाव की स्थिति, विद्युत सुरक्षा आदि का अवलोकन किया। उन्होंने राजनीतिक दलों को भी ईवीएम के सुरक्षित भंडारण के प्रति आश्वस्त होने का अनुरोध करते हुए कहा कि ईवीएम पूर्णतः सुरक्षित हैं। इनके भंडारण के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी मानदंडों का पालन किया जाता है। समय—समय पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी इस संदर्भ में अवगत कराया जाता है। फिर भी किसी को कोई शंका हो तो जिला प्रशासन को सूचित करें, नियमानुसार सभी शंकाओं को दूर किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जाम की समस्या से निजात दिलाने को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता—गोण्डा। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध बाबू ईश्वरशरण अस्पताल के गेट पर जाम लगने से सेवानिवृत्त फार्मासिस्ट की मौत होने पर फार्मासिस्ट संघ ने बुधवार को मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट में सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि मेडिकल कॉलेज बनने से आमजन को सस्ता इलाज मुहैया हो रहा है। लेकिन यहां पर कार्यरत डॉक्टर और कर्मचारियों की सुरक्षा भगवान भरोसे ही है। सुधांशु मिश्रा ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति व कर्मचारी को कोई गंभीर स्थिति में इलाज की जरूरत पड़ती है तो वह मेडिकल कॉलेज तक पहुंचे में उसे घंटों लग जाते हैं और समय से इलाज न मिलने से मरीज की मौत हो जाती है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त चीफ फार्मासिस्ट घनश्याम मिश्रा की हालत बिगड़ने पर परिजन मेडिकल कॉलेज के लिए ला रहे थे लेकिन जाम में गाड़ी फंसने से उनकी मौत हो गई। ज्ञापन में मेडिकल कॉलेज में पार्किंग की अच्छी सुविधा देने और सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई है। इस मौके पर जिला महामंत्री यूथ फार्मासिस्ट फेडरेशन रोहित मिश्रा, उपाध्यक्ष राकेश शुक्ला, श्याम बरन, मोरिस आलम जैद, अंकित तिवारी,अंशुमान मिश्र आदि रहे।

जीवन और जगत का कल्याण करती है श्रीराम कथा

–9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। सृष्टि में जब—जब अनीति, कुबुद्धि, कुविचार का विस्तार होता है ईश्वर विभिन्न रूपों में जन्म लेकर जगत का मार्ग दर्शन करते हैं। संसार में जड़ चेतन जो कुछ भी दृश्य अदृश्य है उसमें परमात्मा का वास है। यह सृष्टि ईश्वर की इच्छा पर संचालित हो रही है। जीव का धर्म है कि वह सहजता से शिव में विलय के लिये अपने आप को इस रूप में प्रस्तुत करे जिससे जीवन और जगत दोनों का कल्याण हो। यह सद् विचार कथा व्यास स्वामी स्वरूपानन्द जी महाराज ने नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा का दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में सूत्रपात करते हुये व्यक्त किया।

ऊं नमो भगवते वासदेवाय और हनुमान जी की आराधना से आरम्भ कथा को विस्तार देते हुये महात्मा जी ने कहा कि 'सियाराम मय सब जग जानी'' जगत में ऐसा कुछ भी नही जो परमात्मा से भिन्न हो। भक्ति ही नही शत्रु भाव से भी जिसने परमात्मा को अपने चित्त में रखा उसका कल्याण हो गया। रावण, कंस, हिरण्यकश्यप सहित अनेक उदाहरण है जिन्हें परमात्मा ने मुक्ति प्रदान किया। महात्मा जी ने शिव तत्व का वर्णन करते हुये कहा कि जहां प्राकृतिक शत्रुता मित्रता में बदल जाय वहीं शिव तत्व समर्थ हो जाता है। महात्मा जी ने कहा कि श्रीराम कथा कल्प वृक्ष के समान है।

श्रीराम नाम महिमा का वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि श्रीराम ने रावण और कुछ राक्षसों का बध किया किन्तु श्रीराम का नाम तो युगो युगो से करोड़ो जीवों का उद्धार कर रहा है। भगवान शंकर की कृपा के बिना श्रीराम के हृदय में प्रवेश संभव नही है।

श्रीराम कथा के प्रथम दिन कथा व्यास का विधि विधान से पूजन करते हुये विधायक अजय सिंह ने कहा कि गांव— गांव श्रीराम कथा का आयोजन आवश्यक है जिससे नयी पीढी श्रीराम की मर्यादा, त्याग को अपने जीवन में उतारे, इससे स्वस्थ, समृद्ध समाज के निर्माण की दिशा में सहायता मिलेगी। प्रमुख योगेन्द्र सिंह ने कहा कि श्रीराम कथा धरती पर अमृत के समान है। मानस पुस्तक नहीं वरन मानव समाज का मस्तक है। मुख्य यजमान अजय सिंह, विभा सिंह ने वैदिक परम्परा के अनुरूप कथा व्यास का पूजन किया। आयोजक बाबूराम सिंह, अनिल सिंह, जीत बहादुर सिंह, बालेश्वरी सिंह, सुरेन्द्र बहादुर सिंह, अशोक सिंह रिंकू, कृष्ण दत्त दूबे, संजीव सिंह, सुनील सिंह, जसवन्त सिंह, अनूप सिंह, प्रमोद पाण्डेय, हर्षित, अरूण सिंह, मनोज गुप्ता, देवनरायन चौहान, नीरज गुप्ता, रामू, इन्द्रपरी सिंह, दीक्षा सिंह, शीला सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक श्रीराम कथा में शामिल रहे।

अपने कृतित्व से हमेशा याद किए जाते रहेंगे स्व. केएम

संवाददाता—महराजगंज। उत्तर प्रदेश साहित्य सभा महराजगंज इकाई के संरक्षक, लोकप्रिय लेखक, उपन्यासकार, पत्रकार, कवि एवं समाजसेवी स्व. केएम अग्रवाल के निधन पर सभा की ओर से श्रद्धांजलि सभा की गई। अध्यक्ष डॉ. परशुराम गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित सभा में वक्ताओं ने स्व. अग्रवाल को शिद्दत से याद किया। कहा कि अपने कृतित्व व व्यक्तित्व के कारण वे हमेशा याद किए जाते रहेंगे। अध्यक्ष डॉ. गुप्ता ने बताया कि बचपन से ही साहित्य और लेखन में गहरी रुचि रखते थे। उनकी लेखनी में समाज की समस्याओं, मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक कुरीतियों का चित्रण विशेष रूप से मिलता है। अपने लेखों और उपन्यासों के माध्यम से उन्होंने समाज को जागरूक करने का कार्य किया। उनकी पुस्तकों में जो कभी झुका नहीं उपन्यास संघर्षों व साहस की कहानी है। वहीं प्रोफेसर रामनाथ में समाज की शिक्षण व्यवस्था और नैतिक मूल्यों पर विशेष प्रकाश डाला गया है। रूपमती की डायरी में एक महिला के जीवन संघर्षों और आत्म—साक्षात्कार की प्रेरणादायक कहानी है। एडवोकेट हमीदुल्लाह खान ने भी उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि वे न केवल एक महान लेखक थे, बल्कि एक संवेदनशील इंसान और समाजसेवी भी थे। इस दौरान साहित्य सभा के संयोजक कुमार देवेश पांडेय, वरिष्ठ अधिवक्ता हमीदुल्लाह खान, राघवेश पति त्रिपाठी, राजेश स्वर्णकार, सुरेंद्र पटेल, दयाशंकर निगम, शशि वर्मा, शिवकुमार चौरसिया, तशरीफ खान, राम उजागर यादव, दिव्यांश पांडेय समेत अन्य तमाम लोग उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने युवा उद्यमियों को वितरित किया ऋण, डबल इंजन की सरकार युवाओं के लिए बना रही रास्ता

संवाददाता—गोण्डा। मेडिकल कॉलेज में युवा उद्यमियों को स्वरोजगार के लिए ऋण वितरित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की ताकत का आंकना हो तो उस राष्ट्र के युवाओं की प्रतिभा, उनकी ऊर्जा व अनुशासन से मापा जा सकता है। उस देश का भविष्य क्या है, अगर इसको जानना हो तो युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा से जाना जा सकता है। जिस देश में युवा ऊर्जा के लिए अवसर होते हैं वहां पर कोई ताकत उस राज्य व देश का बाल बांका नहीं कर सकती। मुख्यमंत्री योगी एक दिन के भ्रमण पर बृहस्पतिवार को गोंडा पहुंचे। जहां पर उन्होंने युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत देवीपाटन मंडल के 1,282 युवाओं को ऋण वितरित किए। उन्होंने कहा कि सरकार को इसके लिए संबल बनना पड़ेगा। युवा शक्ति अपना रास्ता खुद तय कर देगी। इसी रास्ते को तय करने के अभियान में डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक देश और दुनिया टकटकी लगाकर प्रयागराज की ओर देख रही थी। लोग आश्चर्य चकित थे। प्रयागराज में मानवता का समागम देखने को मिला। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में महाकुंभ ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की एक नई आधार शिला को आगे बढ़ाने का काम किया है। इस आयोजन ने इस बात को साबित किया है कि विरासत को विकास के साथ जोड़ेंगे तो अच्छे परिणाम आएंगे। आस्था का सम्मान होगा तो आजीविका का साधन बनेगा। संस्कृति को हम सुरक्षा प्रदान करेंगे तो हमारी समृद्धि बन सकती है। यह बात महाकुंभ ने साबित किया।

होली पर कवि सम्मेलन में लगे ठहाके

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। साहित्यिक संस्था शब्दांगन द्वारा होली के उपलक्ष्य में दीपक सिंह 'प्रेमी' के संयोजन में भारतीय शिशु विद्यालय राजा मैदान के परिसर में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि होली पर्व का रचना संसार से बड़ा निकट का रिश्ता है। फाग और जोगीरा परम्परा का आरम्भ और विकास रचनाकारों के माध्यम से हो रहा है। अध्यक्षता करते हुये वरिष्ठ कवि डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि होली पर भारतीय साहित्य में कविताओं की सुदीर्घ परम्परा है। संचालन अजय श्रीवास्तव 'अश्क' ने किया।

श्रुति त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से आरम्भ कवि सम्मेलन में डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने कुछ यूं कहा ' होली के दिन भंग पी, झूम रहे घनश्याम, राधा से कहने लगे, अम्मा तुम्हें प्रणाम'। डा. वी.के. वर्मा की पंक्तियां ' एक प्रेमिका के संग, खेल रहा था रंग, तब तक पत्नी आ गयी, हुआ रंग में भंग, पर ठहाके लगे। विनोद उपाध्याय हर्षित की रचना ' प्यार की हर कड़ी समझते हैं, कृष्ण की बासुरी समझते हैं' को सराहा गया। नेहा मिश्रा की कविता— 'दे दिया सर्वस्व अपना कितना बेबश बाप होगा, कह रहे हाथों के कंगन, भाग्य पर अभिशाप होगा' के द्वारा विसंगतियों को स्वर दिया। दीपक सिंह 'प्रेमी' ने कुछ यूं कहा— रंग तुझको लगाने की जिद है मेरी, मांग तेरी सजाने की जिद है मेरी' को श्रोताओं ने सराहा। कवि सम्मेलन में विवेक कौटिल्य, हरिकेश प्रजापति, जगदम्बा प्रसाद 'भावुक' गौरव त्रिपाठी आदि की रचनायें सराही गईं। रोली सिंह ने होली की परम्परा पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर आशुतोष सिंह टोनी' इमरान अली, आनन्द, राजेश कुमार, विजयनाथ तिवारी, विपिन कुमार, दिनेश यादव, बृजेश कुमार,विपिन, डा. प्रमोद, के साथ ही बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित रहे।

31 साल से पुलिस में कर रहा था नौकरी, निकला फ्रॉड, खुलासा हुआ तो सन्न रह गए अफसर

संवाददाता—श्रावस्ती। फर्जी अभिलेखों के सहारे नौकरी कर रहे सिपाही को बर्खास्त किया गया है। उसे जेल भेज दिया गया है। अब उससे वेतन के रिकवरी की तैयारी है। जिले में इससे पहले शिक्षा विभाग में फर्जी अभिलेखों के सहारे नौकरी करने के कई मामले सामने आ चुके हैं। अब पुलिस विभाग में ऐसा मामला सामने आने से भर्ती की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मामला सोनवा थाने का है। मूल रूप से गोरखपुर के झंगहा थाना क्षेत्र के रसूलपुर नंबर—दो के मजरा राघव पट्टी पंडरी गांव निवासी देवव्रत यादव पुत्र संगम यादव ने एसपी से मिलकर एक शिकायती पत्र दिया। इसमें कहा कि सोनवा थाने में तैनात मुख्य आरक्षी भवनाथ यादव जालसाज है। वह कूटरचित दस्तावेज के सहारे वर्ष 1994 में आरक्षी के पद पर भर्ती हुआ था। मौजूदा समय में मुख्य आरक्षी है।

शिकायत के आधार पर एसपी घनश्याम चौरसिया ने मुख्य आरक्षी भवनाथ यादव (पीएनओ नंबर 942310234) के अभिलेखों का सत्यापन कराया। भवनाथ ने पुलिस भर्ती में जो शैक्षिक अभिलेख लगाए थे। उसमें हाईस्कूल का अनुक्रमांक 0709559, प्रमाण पत्र संख्या 0323676, वर्ष 1989 तथा इंटरमीडिएट अनुक्रमांक 395726, प्रमाण पत्र संख्या 001203435, वर्ष 1992 उत्तीर्ण होना दर्शाया गया था।

जांच में माध्यमिक शिक्षा परिषद परिक्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी से प्राप्त आख्या के अनुसार इन शैक्षिक अनुक्रमांकों की पुष्टि नहीं हुई। इसके अलावा जालसाज मुख्य आरक्षी भवनाथ ने वर्ष 1992 में सतासी इंटरमीडिएट कॉलेज, रुद्रपुर, देवरिया से कक्षा 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण दिखाया था। स्कूल में इस नाम का कोई छात्र में रजिस्टर्ड या क्लास लिस्ट में अंकित नहीं मिला। जांच में पाया गया कि भवनाथ ने फर्जी उम्र व शैक्षिक अभिलेख के सहारे नौकरी हासिल की। इसके विरुद्ध थानाध्यक्ष सोनवा गणनाथ प्रसाद की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है।

एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि मुख्य आरक्षी भवनाथ यादव के विरुद्ध शिकायत मिली थी। इस पर एएसपी प्रवीण कुमार यादव से प्रकरण की जांच कराई गई। जांच में शिकायत सही पाई गई। उसे बर्खास्त करके जेल भेजा गया है। उसे अब तक मिले वेतन आदि की नियमानुसार वसूली कराई जाएगी।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा शुरू

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। हर्रैया ब्लॉक के समीपी गांव में गुरुवार को भव्य कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्री मद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा गांव से शुरू होकर मनवर नदी से जल लेने के पश्चात पुनः कथा स्थल पर वापस आकर सम्पन्न हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु गांजे बाजे के साथ पीत वस्त्र पहन कर सिर पर कलश धारण कर शामिल हुए। इससे पूर्व कथा स्थल पर हवन पूजन किया गया। कथा का शुभारंभ करते हुए कथावाचक राजेश पाण्डेय सिंटू महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा, ऐसी कथा है, जो जीवन के उद्देश्य एवं दिशा को दर्शाती है। इसलिए जहां भी भागवत कथा होती है, इसे सुनने मात्र से वहां का संपूर्ण क्षेत्र दुष्ट प्रवृत्तियों से खत्म होकर सकारात्मक उर्जा से सशक्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि कथा की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब इसे हम अपने जीवन और व्यवहार में धारण करें। कहा कि श्रीमद्भगवत कथा का श्रवण करने से मानव जीवन में एक जन्म नहीं अपितु हमारे कई जन्मों के पापों का नाश होने के साथ ही हमारे शुभ कर्मों का उदय होता है। कथा सुनने मात्र से जीव जन्म और मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है।

इस अवसर पर मुख्य यजमान राम सुमिति मिश्र, सीता देवी, देवेंद्र नाथ मिश्र, सुरेंद्र नाथ मिश्र, राम जियावन शुक्ल, रामफूल मिश्र, लवकुश मिश्र, अशोक मिश्र, महेन्द्र कुमार मिश्र, विजय मिश्र, हिमांशु तिवारी, संतोष मिश्र, हरीश, गोपाल, रत्नेश शुक्ल, अत्रेय, प्रशान्त शुक्ल, रौनक, रूद्र, बाबूलाल आदि उपस्थित रहे।

जिला जज ने अफसरों सहित जेल का लिया जायजा, दिया निर्देश

संवाददाता—महराजगंज। जिला जज नीरज कुमार, डीएम अनुनय झा व एसपी सोमेन्द्र मीना ने जिला जेल का संयुक्त निरीक्षण किया। बैरक से लगायत पूरे परिसर का जायजा लिया। जेल प्रशासन को जरूरी निर्देश दिया।

जिला जज ने जेल निरीक्षण के दौरान जेल के पुरुष बैरक, महिला बैरक, रसोई व जेल परिसर आदि को देखा। उन्होंने बंदियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुना तथा उनके निस्तारण के लिए जेल प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिया। जिला न्यायाधीश ने मौजूद सभी जेलकर्मियों को निर्देशित किया कि सभी बंदियों के मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

आवश्यकतानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के साथ समन्वय करते हुए बंदियों को विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने बीमार बंदियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण का निर्देश देते हुए कहा कि बंदियों को उचित चिकित्सा सेवा जेल प्रशासन उपलब्ध कराए। महिला बंदियों से मुलाकात कर जिला न्यायाधीश ने उनकी समस्याओं को सुना और उनके निस्तारण के संदर्भ में आश्वस्त किया। उन्होंने जेल की साफ—सफाई और व्यवस्था पर संतोष जाहिर किया। निरीक्षण के दौरान सीजेएम मुकेश यादव, जेल अधीक्षक आशीष रंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

व्यवसाई को पीटकर किया घायल, मेडिकल कॉलेज में मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के रेलवे स्टेशन के पास शराब के नशे में धुत एक युवक ने एक कपड़ा व्यवसाई को पीटकर बुरी तरह से घायल कर दिया। घायल अवस्था में पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उसे मेडिकल कालेज भेज दिया गया। वहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के बेलवनिया गांव का निवासी 25 वर्षीय मुन्नालाल मौर्या पुत्र प्रह्लाद जिला मुख्यालय के मेंहदावल बाईपास पर मौर्या फैशन गारमेंट नाम से दुकान चलाता था। 19 मार्च की रात 8 बजे के करीब उसने अपनी दुकान बन्द की। इसी दौरान उसकी बहन का फोन आ गया। उसने बहन को उसने बताया कि वह मार्केट से अभी आ रहा है। इस दौरान रात 10 बजे तक जब वह वापस नहीं लौटा तो बहन ने फिर फोन किया। इस दौरान फोन नहीं उठा। तकरीबन 15 मिनट बाद फिर फोन करने के बाद फोन उठा। दूसरी तरफ से फोन उठाने वाले ने बताया कि वह पुलिसकर्मी है और भाई का एक्सीडेंट हो गया है। जिला अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पताल में पहुंचने पर उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने मेडिकल कालेज गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया। मेडिकल कालेज गोरखपुर पहुंचने पर इलाज के दौरान सुबह 4 बजे उसकी मौत हो गयी। पुलिस का कहना है कि रेलवे स्टेशन के पीछे मुन्नालाल और कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के मटिहना निवासी शिरीष पुत्र प्रेमचन्द्र के साथ झगड़ा हो गया था। शराब के नशे में धुत शिरीष ने मुन्नालाल को बुरी तरह से मारा, जिससे वह घायल हो गया। घायलावस्था में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। वहीं पिता का कहना है कि रात में उसका किसी के साथ झगड़ा हुआ था। इसी के दौरान उसके विपक्षी के पक्ष से दर्जनों लोग वहां पहुंच गए तथा उनके पुत्र को बुरी तरह से मारा पीटा था। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद एसपी के साथ ही अन्य अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। समाचार लिखे जाने तक केस दर्ज नहीं हुआ है।

रात लगभग 9 बजे के करीब मटिहना निवासी शिरीष पुत्र प्रेमचन्द्र ने शराब के नशे में मुन्नालाल मौर्या को मारपीटकर बुरी तरह से घायल कर दिया गया था।

बाइक को टक्कर मार भाग रही पिकअप बस के टकराई, तीन घायल

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा क्षेत्र के फुटहवाइनार चौराहे पर बाइक सवार को टक्कर मारकर भाग रही पिकअप आगे जा रही बस में पीछे से टकरा गई। इसमें बाइक सवार युवक, पिकअप चालक और उसमें सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

आसपास के लोगों ने बाइक सवार को पीएचसी करमहां पहुंचाया। जहां उसका प्राथमिक उपचार चल रहा है। वहीं पिकअप चालक एक्सीडेंट के बाद गाड़ी में ही लगभग 20 मिनट तक फंस गया। इसके बाद आसपास के लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसको बाहर निकाला। इसके बाद आनन–फानन में उनको निजी अस्पताल भिजवाया गया।

दुर्घटना में सूबा बाजार निवासी आशिक अली (50), मुंडेरा बाजार वार्ड नम्बर 14 निवासी खुर्शीद (45) व देवरिया जिले के हनुमान मंदिर निवासी अभय घायल हो गए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

बहू के साथ अश्लील हरकत को रोका तो सास व ससुर को पीटा

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा क्षेत्र इलाके की एक महिला ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर बताया कि उनका पुत्र एक शादीशुदा महिला को भगाकर शादी कर ली है। उसे लेकर जबरदस्ती घर आकर रहने लगा है। उनकी बहू का एक व्यक्ति से अवैध संबंध है। होली के दिन शाम को घर पर बुलाकर अश्लील हरकत करने लगी। जब उन्हें यह देखा नहीं गया तो बहू को डांटने लगी। इसी बात को लेकर बहू, उनका बेटा और वह तीसरा व्यक्ति तीनों मिलकर लात घूसों से मारने–पीटने लगे। उनके पति बचाने आए तो उन लोगों ने मारपीट कर उन्हें भी घायल कर दिया। पड़ोस के लोगों के बीच बचाव करने पर पति–पत्नी की जान बची। गांव के लोगों ने 112 नंबर पर फोन किया। पुलिस ने दोनों पक्षों का चालान कर दिया। न्यायालय से छूटने के बाद फिर बेटा फिर से धमकी धुड़की देने लगा। एसएसपी के आदेश के बाद पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 114/2022
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बांसी जिला– सिद्धार्थनगर
ओंकारनाथ
बनाम
हरिश्चन्द्र आदि
1. हरिश्चन्द्र 2. गिरीश चन्द्र 3. सतीश चन्द्र 4. रमेश चन्द्र पुत्रगण बालकेश्वर साकिनान मौजा सोनवलिया तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
तारीख पेशी 16–04–2025

प्रतिवादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 16–04–2025 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 331/2023
मनीष कुमार
बनाम
रामललन आदि
1. रामललन पुत्र बृजमोहन निवासी ग्राम रुधौलीकला तप्पा रुधौली परगना रुधौली कला (मगहर पश्चिम) तहसील रुधौली जिला–बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. सन्तोष कुमार पुत्र रामललन 3. विन्दू देवी पत्नी सन्तोष कुमार निवासीगण ग्राम रुधौलीकला तप्पा रुधौली परगना रुधौली कला (मगहर पश्चिम) तहसील रुधौली जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 21–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
मु0नं0–985
दा0खा0
अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार सदर बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती सीता देवी आदि
बनाम
दर्शना देवी आदि
1. रामतेज पुत्र निरहू साकिन मलिकपुरवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 04–04–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 731/2024
श्रीमती आरती आदि
बनाम
भारत भूषण शुक्ल आदि
1. भारत भूषण शुक्ल पुत्र हरिशंकर शुक्ल 2. विभा शुक्ल पत्नी भारत भूषण शुक्ल निवासीगण ग्राम फकड़ी भीखी तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
3. जगधर 4. विजय कुमार 5. सुग्रीव पुत्रगण रामलखन 6. रीता देवी पत्नी विजय कुमार 7. दयाशंकर पाण्डेय पुत्र बागेश्वरी 8. सन्तराम पुत्र मेहीलाल 9. अमीता पत्नी देवानन्द 10. माया पाण्डेय पत्नी शिव शंकर निवासीगण ग्राम नरायनपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती 11. राम अवध पुत्र साधू सरन 12. श्रीमती नीलम पाण्डेय पत्नी अशोक कुमार पाण्डेय 13. श्रीमती अनुपमा पाण्डेय पुत्री अनूप कुमार निवासीगण ग्राम रमवापुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती 14. श्रीमती माया देवी पत्नी श्याम प्रसाद निवासिनी ग्राम झलहनिया तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 22–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 22 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

दांतों की करें बेहतर देखभाल, गुटखा व तंबाकू का करें परहेज

संवाददाता–संतकबीरनगर। चाहे बच्चे हों या बड़े सभी में इन दिनों तंबाकू व गुटखा के सेवन की लत बढ़ती जा रही है। इन सभी के सेवन से सबसे अधिक दांत प्रभावित होता है। अक्सर लोग दांतों की देखभाल करने में लापरवाही बरतते हैं। हर वर्ष 20 मार्च को विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दौरान दांतों के चिकित्सक मरीजों को दांत की देखभाल करने के लिए जागरुक करते हैं। स्वास्थ्य विभाग के एक आंकड़े के अनुसार भारत में हर वर्ष 12 लाख लोग कैंसर के चपेट में आकर अस्पतालों में उपचार के लिए पंजीयन कराते हैं। इन मरीजों में 40 प्रतिशत मरीज तंबाकू उत्पादों के उपयोग से ग्रसित होते हैं। वैसे तो इन दिनों सभी आयु वर्ग के लोगों में तंबाकू उत्पादों का उपयोग बढ़ता जा रहा है। बच्चों के साथ ही महिलाओं में भी इनका उपयोग तेजी से बढ़ा है। जिसका परिणाम यह हो रहा है कि कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
अपील सं0– /2023
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी बस्ती जिला–बस्ती
बहाऊ
बनाम
इन्दुमती आदि
1. यशस्वी सिंह पुत्री अनिल कुमार सिंह निवासी ग्राम भूवर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 2. श्रीमती संगीता देवी पत्नी अनिल कुमार निवासी ग्राम करैना तप्पा रूधौली परगना मगहर पूरव तहसील रूधौली जिला–बस्ती 3. श्रीमती दिव्या मिश्रा पत्नी अमित कुमार मिश्रा निवासी ग्राम भिउरा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 4. श्रीमती कुमारी देवी पत्नी बेंचू प्रसाद निवासी ग्राम मड़वानगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 5. श्रीमती नीलम चौधरी पत्नी उदयभान चौधरी निवासी ग्राम अहिरौली तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला–बस्ती 6. श्रीमती ज्ञानमती पत्नी भगवान दास निवासी ग्राम रामनगर तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 7. शशिशेखर त्रिपाठी पत्नी प्रभाकर त्रिपाठी निवासी ग्राम अलनापुर मंझारी तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर 8. श्रीमती मंजू देवी पत्नी अनिल कुमार चौधरी निवासी ग्राम व पोस्ट झहरौव तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर 9. श्रीमती लीलावती पत्नी चन्द्र प्रकाश यादव निवासी ग्राम चैसार तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 10. अभिषेक कुमार पाठक पुत्र रामप्रगट पाठक निवासी ग्राम जोगिया तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 11. श्रीमती आराधना पाण्डेय पुत्री रामशब्द पत्नी अभिषेक पाठक निवासी ग्राम जोगिया तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 12. रजनीश कुमार श्रीवास्तव पुत्र शिवकुमार श्रीवास्तव निवासी ग्राम फत्तेपुर पोस्ट फत्तेपुर जिला–गोण्डा
तारीख पेशी 26–03–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 26 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

डॉक्टर ही करेगा डॉक्टर की जांच तो कैसे आएगी सही रिपोर्ट, मरीज की मौत के मामले में भड़के विधायक

संवाददाता–अयोध्या। बृहस्पतिवार को नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने ओपीडी में सांस रोगी की मौत के मामले की जांच आख्या मांगी। प्रभारी एसआईसी ने जांच कमेटी के बारे में बताया तो विधायक भड़क गए। उन्होंने कहा कि जब डॉक्टर ही डॉक्टर की जांच करेगा तो सही रिपोर्ट कैसे आएगी। कोशिश हो कि सही बात सामने आए। आरोपी चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मी पर कार्रवाई हो।

दरअसल, शहर के वजीरगंज जप्ती निवासी बिंदू (45) सांस की समस्या से पीड़ित थे। वह बुधवार की दोपहर लगभग 1 बजे जिला अस्पताल की इमरजेंसी पहुंचे थे। वहां पर वीगो लगाकर मरीज को इंजेक्शन और दवाएं दी गई। लेकिन, भर्ती करने की बजाय ओपीडी के

कक्ष संख्या 14 में भेज दिया। वहां लाइन में खड़े–खड़े मरीज की मौत हो गई। इसके बाद परिजन आक्रोशित हो उठे।

खबर मिली को गुरुवार को विधायक वेदप्रकाश गुप्ता, अपर निदेशक डॉ. एपी भार्गव व सीएमओ डॉ. सुशील कुमार बनियान के साथ जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने इमरजेंसी और ओपीडी में चिकित्सकों को बुलाकर मामले में नाराजगी जताई। जांच करके आख्या मांगी। कहा कि कोई भी गंभीर मरीज इमरजेंसी में आए तो पहले लक्षणों के आधार पर उसका इलाज करें। कागजी प्रक्रिया बाद में कराएं।

निरीक्षण के समय प्रमुख अधीक्षक डॉ. एके सिन्हा अवकाश पर थे। विधायक ने अपर निदेशक और सीएमओ से उनके बारे में जानकारी की, तो बताया गया कि वह कार्यवाहक हैं। इस पर विधायक ने कहा कि इसकी रिपोर्ट उन्हें उपलब्ध कराई जाए। ताकि, वह शासन से वार्ता करके स्थायी प्रमुख अधीक्षक की तैनाती करा सकें।

श्रीराम चिकित्सालय की स्वास्थ्य सुविधाओं को अपग्रेड किया जाएगा। इसके लिए विधायक वेद प्रकाश गुप्त ने प्रस्ताव भेजने का निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिया है। विधायक ने बृहस्पतिवार को श्रीराम चिकित्सालय का निरीक्षण किया। एडी हेल्थ डॉ. एपी भार्गव, सीएमओ डॉ. सुशील कुमार व प्रभारी सीएमएस डॉ. राजेश सिंह की उपस्थिति में निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिए।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) संतकबीरनगर
वाद सं0 997/2023
दीनानाथ
बनाम
पंचराम आदि
1. पंचराम 2. नन्दलाल 3. नन्द विहारी पुत्रगण रामअचल साकिनान मौजा ग्राम छपिया दोयम तप्पा बखिरा परगना मगहर पूरब तहसील मेंहदावल जिला–संतकबीरनगर
तारीख पेशी 21–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 03 सन 2025 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान नवम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 230/2020
रामकुमार
बनाम
बुद्धिसागर आदि
1/1 पटेश्वरी प्रसाद पुत्र स्व0 रामकुमार 4. रमाकान्त पुत्र स्व0 राम कुमार साकिनान मौजा दुबौली तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 17–04–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जाय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 17 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
मु0नं0–
धारा 167 Z.A.act
अदालत– श्रीमान कलेक्टर महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मुरली
बनाम
गिरीश नरायन
1. सम्पत पुत्र रामलखन निवासी ग्राम विशुनपुरवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 26–03–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 26 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद 811/2015
मंदिर शिवशंकर
बनाम
श्रीमती ललिता देवी आदि
7/1 हृदयराम चौधरी पुत्र रामदास चौधरी साकिन मंझरिया तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर पोस्ट पुरैना जिला–बस्ती (उ0प्र0) 7/2 हरिदयाल चौधरी पुत्र हृदयराम चौधरी साकिन मंझरिया तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर पोस्ट पुरैना जिला–बस्ती (उ0प्र0)
तारीख पेशी 27–03–2025

हरगाह मुद्दई मजकूरुसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नावुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 27 माह 03 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी सुमित कुमार शुक्ला पुत्र स्वर्गीय श्री गया प्रसाद मुहल्ला खीरीघाट पोस्ट– मड़वानगर जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मैंने अपनी पुत्री आयत शुक्ला का नाम बदलकर मौली शुक्ला कर दिया है। अब उसे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज/एफ0टी0सी0 द्वितीय महोदय बस्ती जिला–बस्ती
फौ0 निगरानी सं0–139/2022
राजाराम
बनाम
सरकार उ0प्र0 आदि
1. मु0 सिद्दीक पुत्र हनीफ निवासी मौजा मदारपुर सिसवा थाना नगर जिला–बस्ती
तारीख पेशी 21–03–2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2025 के माह 03 को 21 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 542/2001
जगदीश प्रसाद त्रिपाठी
बनाम
राजेश कुमार श्रीवास्तव
1. राजेश कुमार श्रीवास्तव पुत्र राजेन्द्र नाथ श्रीवास्तव उर्फ राजेन्द्र लाल श्रीवास्तव साकिन गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम मुहल्ला पुराना डाकखाना पोस्ट गांधीनगर बस्ती जिला–बस्ती
तारीख पेशी 28–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अश्लील हरकत करने के आरोपी को तीन वर्ष का सश्रम कारावास

संवाददाता–संतकबीरनगर। अवयस्क छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने के एक आरोपी को एडीजे एवं विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की कोर्ट ने दोषसिद्ध करार देते हुए तीन वर्ष के सश्रम कारावास का सजा सुनाया। कोर्ट ने आरोपी सोहन पर सजा के अतिरिक्त दो हजार रुपए का अर्थदण्ड भी लगाया है। अर्थदण्ड का भुगतान न करने पर आरोपी को तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। कोर्ट ने अर्थदण्ड की सम्पूर्ण दो हजार रुपए की धनराशि पीड़िता को देने का भी फैसला सुनाया है। इसके साथ ही कोर्ट ने नालसा प्रतिकर स्कीम के अंतर्गत दोनों पीड़िता को 25 हजार रुपए का प्रतिकर देने का भी निर्णय दिया। प्रकरण में पीड़ित छात्रा बुआ के साथ खेत में सरसों काटने गई थी। विचारण के दौरान बुआ पक्षद्रोही हो गई। विशेष लोक अभियोजक पाक्सो एक्ट अभिमन्युपाल, सत्येन्द्र शुक्ल, अनिल कुमार सिंह व सत्य प्रकाश गुप्ता ने बताया कि प्रकरण महुली थानाक्षेत्र के एक गांव का है। प्रकरण में पीड़ित छात्रा ने अभियोग पंजीकृत कराया था। उसका आरोप था कि वह कक्षा आठ में पढ़ती है। 10 फरवरी 2017 को वह अपनी बुआ के साथ खेत में सरसों उखाड़ने गई थी। समय करीब तीन बजे सोहन पुत्र रामफल खेत में आया। हाथ पकड़कर टाफी खिलाने लगा। मना किया तो कहा कि तुम्हीं लोगों ने तो फोन करके बुलाया था। पीड़िता ने कहा कि मैं नम्बर ही नहीं जानती तो फोन कैसे करुंगी। इतने में गाली देते हुए कहा कि तुम और तुम्हारी मम्मी क्या कर लेंगी। खेत से घर जाते समय रास्ते में मम्मी मिल गई। मम्मी को घटना बताई। इतने में आरोपी सोहन आ गया। मम्मी ने डांटा तो वह मुर्गी फार्म में छुप गया। पुलिस ने अभियोग पंजीकृत करके विवेचना के उपरांत आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। विशेष लोक अभियोजक पाक्सो एक्ट अभिमन्यु पाल ने बताया कि अभियोजन की तरफ से कुल पांच जबकि बचाव पक्ष की तरफ से दो साक्षी जिसमें पीड़िता की बुआ भी शामिल है, न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। एडीजे व विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात आरोपी सोहन को दोषसिद्ध करार दिया

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406, ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com